

65



आयुक्त (अपील) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क: O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE,

द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan, रेस कोर्स रिंग रोड, Race Course Ring Road,

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com



सत्यमेव जयते

रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-

क	अपील / फाइल संख्या Appeal / File No. V2/51/GDM/2016	मूल आदेश सं / G.I.T. No. ST/263/2016-17	दिनांक / Date 29.07.2016
---	---	---	--------------------------------

4628 to 4631

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

KCH-EXCUS-000-APP-013-2017-18

आदेश का दिनांक / Date of Order:	08.09.2017	जारी करने की तारीख / Date of issue:	11.09.2017
------------------------------------	-------------------	--	-------------------

कुमार संतोष, आयुक्त (अपील), राजकोट द्वारा पारित /
Passed by Shri Kumar Santosh, Commissioner (Appeals), Rajkot

ग अथवा आयुक्त/ आयुक्त आशुभला उपायुक्त/ सहयुक्त आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गणधधम, द्वारा उपरोक्तित जरी मूल आदेश से सुनित /

Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham.

घ **अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name & Address of the Appellant & Respondent :-**
M/s. VTS Directorate,, VTS Master Control, Behind Balaji Temple Kandla,Gandhidham,Gujarat-370210

इस आदेश/अपील) से आग्रीव होई व्यक्ति विनियमित तरीके में अपील प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

- (A) शीका शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अन्तर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अन्तर्गत विनियमित जगह की जा सकती है।
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal fees to:-
- (i) वगीकरण शुल्कांकन से सम्बन्धित सभी मामले शीका शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, ईस्ट ब्लॉक नं 2, पुरम, नई दिल्ली, को की जायी चाहिए।
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.
- (ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बतलाए गए अपीलों के अलावा सभी अपीलों शीका शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, द्वितीय तल, बहामनी भवन असावा अहमदाबाद को की जायी चाहिए।
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above.
- (iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) विनियमानी, 2001, के नियम 6 के अन्तर्गत निर्धारित किट एवं फॉर्म EA-3 में धार परिचय में दर्ज किया जाना चाहिए। इसमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की राशि, व्याज की राशि और लगाया गया जुर्माना, रुपये 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपये या 50 लाख रुपये तक अथवा 50 लाख रुपये से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति प्रस्तुत करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी ब्यांकिंग शेष के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/-, Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-.

- (B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अन्तर्गत सेवाकर विनियमानी, 1994 के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-5 में धार परिचय में की जा सकती है एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (जिसमें से एक प्रति प्रस्तुतित होनी चाहिए) और इसमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की राशि, व्याज की राशि और लगाया गया जुर्माना, रुपये 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपये या 50 लाख रुपये तक अथवा 50 लाख रुपये से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति प्रस्तुत करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्ट्रार के नाम से किसी भी ब्यांकिंग शेष के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा।

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994 to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.

621

(i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धारा (2) या (2A) के अंतर्गत दायें की गयी अपील, सेवाकर विधायकी, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-7 में की जा सकती है। इसके साथ अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत चरित आदेश की प्रतियाँ संलग्न की जायें। इसमें एक प्रति प्रांतीय (सी) कार्यालय और अपील द्वारा संलग्न आवृत्त अधिकाधिकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सेवाकर, को अपीलार्थि न्यायाधिकारण को अपील दायें करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति के साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.

(ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलार्थि न्यायाधिकारण (सेस्टैट) के प्रति अपील के मामलों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एक के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर का भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलार्थि न्यायाधिकारण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवाकर कर आय के 10 प्रतिशत (10%), जब तक एक जुमाना विवक्षित है, या जुमाना, जब केवल जुमाना विवक्षित है, का भुगतान किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जमा वाली अपेक्षित देय राशि इस कलेक्टिंग एजेंट से अधिक न हो।

- (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत 'जमा किए गए शुल्क' में विभक्त करणित है।
 - (ii) धारा 11 सी के अंतर्गत रकम
 - (iii) सेवकृत जमा की गई हुई राशि
 - (iv) सेवकृत जमा विधायकी के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम
- बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम 2014 के अंतर्गत से पूर्व किसी अपीलार्थि न्यायाधिकारण के संलग्न विवक्षित शुल्क अर्थात् एवं अपील को लागू नहीं होगी।

For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.

- Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include
- (i) amount determined under Section 11 D;
 - (ii) amount of erroneous Central Credit taken;
 - (iii) amount payable under Rule 6 of the Central Credit Rules

- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(C) **भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन**
Revision application to Government of India:
 इस आदेश की पुनरीक्षण अधिकार विनियमितिगत मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम प्रावक के अंतर्गत भारत सचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन हेतु, वित्त सचय, संसद भवन, लोको भवन, जीवन दीप भवन, संसद भवन, नई दिल्ली-110001, को किया जाता है। / A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:

(i) यदि भारत के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी भवन को किसी कारखाने से भारत गृह के परिवहन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भवन गृह से दूसरे भवन गृह परिवहन के दौरान, या किसी भवन गृह में या भवन से भवन के परिवहन के दौरान, किसी कारखाने या किसी भवन गृह में भारत के नुकसान के मामले में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे भवन के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे भवन या भी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छुट (रिबैट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India

(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को भवन निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

(iv) विनियमित उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो इष्टुटी क्रेडिट इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत प्रदान की गई है और ऐसे आदेश जो अपील (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (सं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियंत्रित की गई जायें। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां फॉर्म नम्बर EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) विधायकी, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनियमित है, इस आदेश के संश्लेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के संबंध के लिए पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-in-Appeal it should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account

(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ विनियमित निर्धारित शुल्क की अदायगी की जानी चाहिए। / जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाता और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 / का भुगतान किया जाए। / The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

(D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त दर में किया जाना चाहिए। इस संघ के होने हुए भी की सिखा पढी कार्य से बचने के लिए प्रत्येक अपीलार्थि न्यायाधिकारण को एक अपील या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क से एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filed to avoid scripiona work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.

(E) पञ्जाब अधिनियम न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं संश्लेषण आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended

(F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलार्थि न्यायाधिकारण (सर्वे विधि) विधायकी, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्बन्धित करने वाले नियमों की और भी ध्यान अन्वेषित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(G) उच्च अपीलार्थि न्यायाधिकारण को अपील दाखिल करने से संबंधित विषयक विस्तृत और जाँचकर प्रावधानों के लिए, अपीलार्थि न्यायाधिकारण वेबसाइट www.cbec.gov.in पर देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellants may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in

:: ORDER-IN-APPEAL ::

M/s. VTS Directorate, VTS Master Control, Behind Balaji Temple Kandla, Gandhidham (hereinafter referred to as "the appellant") filed the present appeal against the Order-in-Original No. ST/263/2016-17 dated 29.07.2016 (hereinafter referred to as "the impugned order") passed by the Assistant Commissioner, Service Tax Division, Gandhidham-Kutch (hereinafter referred to as "the lower adjudicating authority").

2. Briefly stated, the facts of the case are that M/s. Aatash Norcontrol Ltd., Ahmedabad (hereinafter referred to as "M/s. Aatash") had provided taxable service viz. "Manpower Recruitment Service/Supply Agency's Service" to the appellant and charged and paid service tax. As per Notification No. 30/2012 – ST dated 20.06.2012 effective from 01.07.2012, 100% service tax is to be paid by the service provider, if service provider is a company. However, the appellant was paying service tax @75% as a recipient of manpower service under reverse charge mechanism as prescribed in Notification No. 30/2012 – ST dated 20.06.2012 by mistake. The appellant had paid total service tax of Rs. 8,70,167/- by mistake and accordingly the appellant filed refund claim of Rs. 8,70,167/- under Section 11B of the Central Excise Act, 1944 (hereinafter referred to as "the Act") for the period from March-2015 to February-2016. The lower adjudicating authority vide impugned order sanctioned refund claim of Rs.5,08,604/- only and rejected remaining amount of Rs. 3,61,563/- on the ground that the refund claim filed after expiry of one year from the relevant date as provided Section 11B of the Act read with the Section 83 of the Finance Act, 1994.

3. Being aggrieved by the impugned order, the appellant has preferred the present appeal on the grounds detailed below.

3.1 The lower adjudicating authority has rejected refund claim of Rs. 3,61,653/- paid by mistake whereas when any amount is paid without any liability, then it cannot be considered as service tax and provisions of limitation prescribed under Section 11B cannot be applied.

3.2 The appellant has by mistake deposited the said amount without any legal liability and such facts have been accepted by the lower adjudicating authority in the impugned order and accordingly amount deposited by mistake and without any liability cannot be considered as tax/duty and limitation as per Section 11B cannot be applicable and therefore, the appellant is eligible for refund of this amount also. The applicant relied on the following case laws:

(i) ITC Limited reported as 1993 (67) ELT 3 (SC)

62

- (ii) Geojit BNP Paribas Financial Services Ltd. reported as 2015 (39) STR 706 (Ker.)
- (iii) Madhvi Procon Pvt. Ltd. reported as 2015 (38) STR 74 (Tri. Ahmd.)
- (iv) Jyotsana D. Patel reported as 2014 (35) STR 77 (Tri. – Mumbai)
- (v) KVR Construction reported as 2012 (26) STR 195 (Kar)

4. Shri Naresh Kumar, Assistant Executive Engineer appeared for personal hearing in the matter and reiterated grounds of Appeal. He also stated that service tax has wrongly been paid by them as 100 % was payable by service provider being a company and hence service tax paid by them by mistake should be refunded to them.

Findings:-

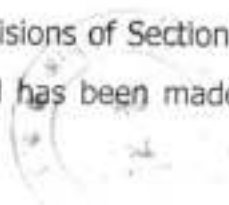
5. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order, appeal memorandum and the submissions of the appellant. The limited issue to be decided in the present appeal is whether the rejection of refund amount Rs. 3,61,563/- under Section 11B of the Act read with the Section 83 of the Finance Act, 1994 on the ground of time bar is correct or otherwise.

6. I find that the lower adjudicating authority has sanctioned refund of Rs. 5,08,604/- and rejected refund of Rs. 3,61,563/- as against total claim of Rs. 8,70,167/- filed by the appellant under Section 11B of the Act read with the Section 83 of the Finance Act, 1994 on the ground that the rejected refund has been claimed by the appellant after expiry of one year from the relevant date as prescribed vide Section 11B of the Act.

6.1 The appellant assailed the impugned order on the ground that they paid service tax by mistake without any legal liability and any tax paid by mistake cannot be considered as tax/duty and provisions of limitation under Section 11B of the Act cannot be made applicable to that refund.

6.2 It is fact that the appellant has paid the rejected amount also as service tax though by mistake. They admitted to have misinterpreted provisions of Notification No. 30/2012-ST dated 20.06.2012 issued under the Finance Act, 1994 making provisions for Reverse Charge Mechanism. Once paid as service tax, can not be claimed as not service tax later on. It is also a fact that refund claim has been made under Section 11B of the Act only. It is also a fact that refund of an amount paid as service tax can be sanctioned by the Assistant Commissioner of Central Excise only under Section 11B of the Act read with Section 83 of the Finance Act. In such a scenario, he is duty bound to follow the provisions of Section 11B of the Act. It is not disputed by the appellant that claim of refund has been made after one year from the relevant date.

Handwritten signature

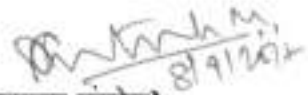


The lower adjudicating authority has no option but to reject the refund claim as time barred.

6.3 In view of above legal position, I hold that the impugned order is correct, legal and proper and appeal is required to be rejected and I reject the appeal as devoid of merits.

6. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

7. The appeal filed by the appellant stands disposed off in above terms.


(कुमार संतोष)
आयुक्त (अपील्स)

By Speed Post

To,

M/s. VTS Directorate,
VTS Master Control,
Behind Balaji Temple
Kandla, Gandhidham,
Gujarat - 370210.

मे. वी टी एस ,
वी टी एस मास्टर कंट्रोल,
बाला जी मंदिर पीछे,
कांडला, गांधीधाम,
गुजरात - ३७०२१०

Copy to:

1. The Chief Commissioner, GST & Central Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad.
2. The Commissioner, GST & Central Excise, Kutch Commissionerate, Gandhidham.
3. The Assistant Commissioner, GST & Central Excise Division, Gandhidham.
4. Guard File.

